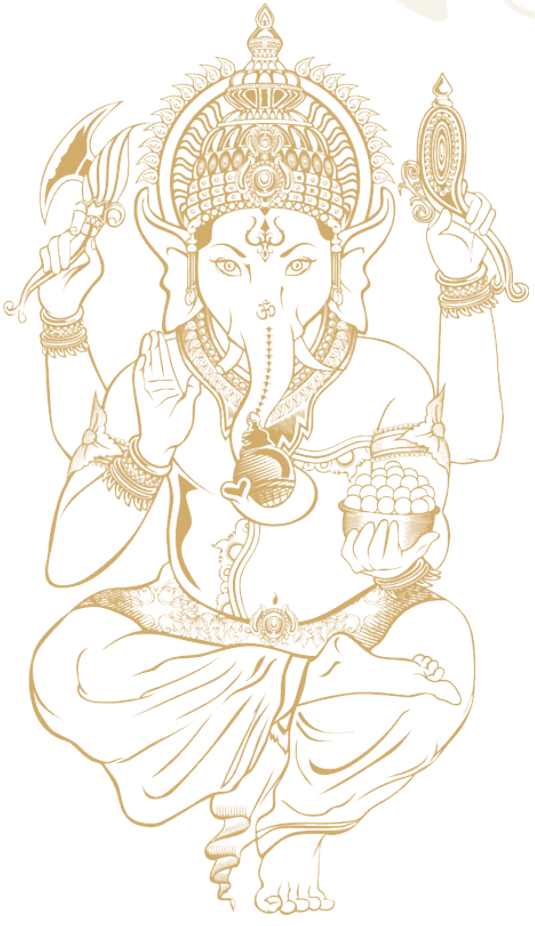

Vinay Malik

14 Oct 1996

12:15 PM

Rohtak

Model: web-freekundliweb

Order No: 121455005

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**14/10/1996**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**12:15:00 घंटे**
इष्ट	14:37:18 घटी
स्थान	**Rohtak**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	28:54:00 उत्तर
रेखांश	76:38:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:23:28 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	11:51:32 घंटे
वेलान्तर	00:14:02 घंटे
साम्पातिक काल	13:23:55 घंटे
सूर्योदय	06:24:04 घंटे
सूर्यास्त	17:54:30 घंटे
दिनमान	11:30:26 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	27:23:21 कन्या
लग्न के अंश	12:50:27 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**स्वाति - 4**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	प्रीति
करण	कौलव
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	ता-तरुण
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	12:50:27	343:00:43	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	---
सूर्य			कन्या	27:23:21	00:59:28	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	गुरु	सम राशि
चंद्र			तुला	17:37:46	13:11:14	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	सूर्य	सम राशि
मंगल			कर्क	27:03:59	00:34:58	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	गुरु	नीच राशि
बुध			कन्या	14:28:11	01:40:46	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	उच्च राशि
गुरु			धनु	16:31:32	00:07:08	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	चंद्र	स्वराशि
शुक्र			सिंह	18:01:53	01:10:44	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	मंगल	शत्रु राशि
शनि	व		मीन	08:49:35	00:04:18	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	सम राशि
राहु	व		कन्या	14:12:33	00:01:40	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	मूलत्रिकोण
केतु	व		मीन	14:12:33	00:01:40	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	राहु	मूलत्रिकोण
हर्ष			मक	06:50:14	00:00:13	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	बुध	---
नेप			मक	01:10:49	00:00:15	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	---
प्लूटो			वृश्चि	07:38:10	00:01:56	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	केतु	---
दशम भाव			कन्या	28:52:23	--	चित्रा	--	14	बुध	मंगल	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:48:45

लग्न-चलित

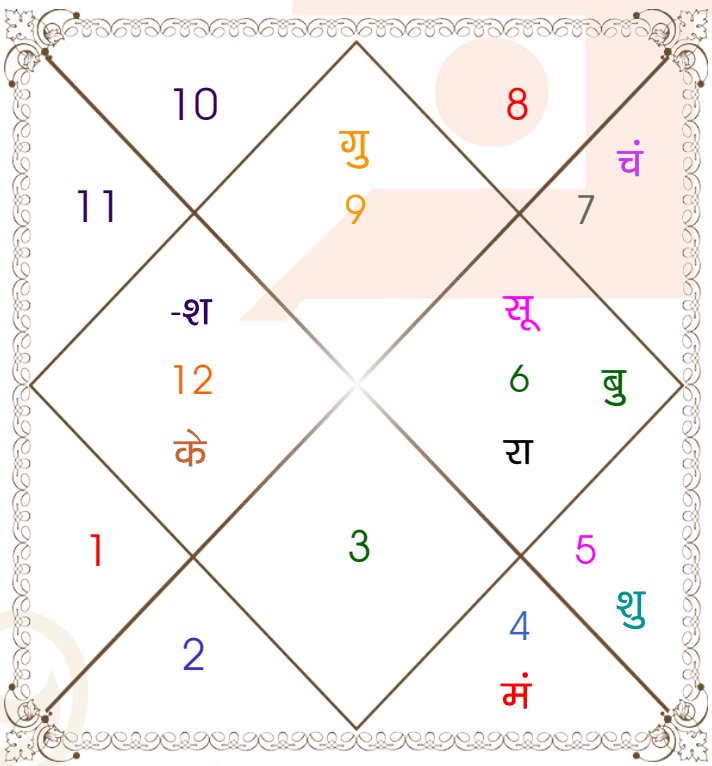

चन्द्र कुंडली

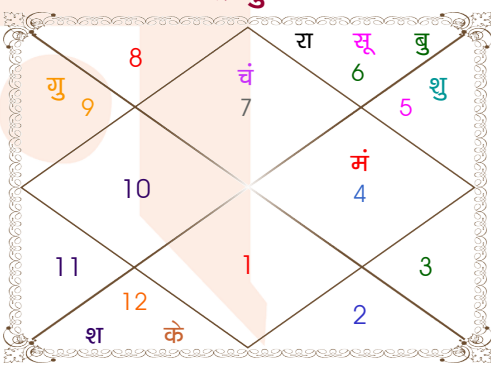

नवमांश कुंडली

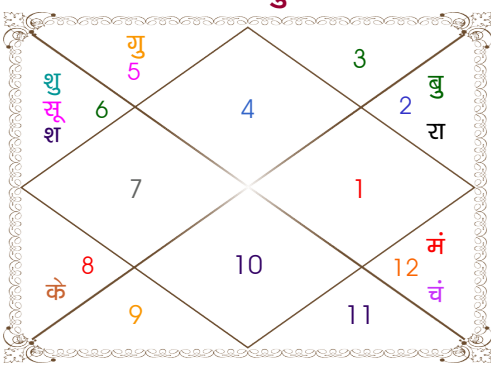

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 3 वर्ष 2 मास 12 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
14/10/1996		27/12/1999		27/12/2015		27/12/2034		27/12/2051	
27/12/1999		27/12/2015		27/12/2034		27/12/2051		27/12/2058	
	00/00/0000	गुरु	13/02/2002	शनि	30/12/2018	बुध	24/05/2037	केतु	24/05/2052
	00/00/0000	शनि	26/08/2004	बुध	08/09/2021	केतु	21/05/2038	शुक्र	24/07/2053
	00/00/0000	बुध	02/12/2006	केतु	18/10/2022	शुक्र	21/03/2041	सूर्य	29/11/2053
	00/00/0000	केतु	08/11/2007	शुक्र	17/12/2025	सूर्य	26/01/2042	चंद्र	30/06/2054
	00/00/0000	शुक्र	09/07/2010	सूर्य	29/11/2026	चंद्र	27/06/2043	मंगल	26/11/2054
	14/10/1996	सूर्य	27/04/2011	चंद्र	30/06/2028	मंगल	23/06/2044	राहु	15/12/2055
सूर्य	08/06/1997	चंद्र	26/08/2012	मंगल	08/08/2029	राहु	11/01/2047	गुरु	20/11/2056
चंद्र	08/12/1998	मंगल	02/08/2013	राहु	14/06/2032	गुरु	18/04/2049	शनि	29/12/2057
मंगल	27/12/1999	राहु	27/12/2015	गुरु	27/12/2034	शनि	27/12/2051	बुध	27/12/2058

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
27/12/2058		27/12/2078		26/12/2084		27/12/2094		27/12/2101	
27/12/2078		26/12/2084		27/12/2094		27/12/2101		00/00/0000	
शुक्र	27/04/2062	सूर्य	15/04/2079	चंद्र	26/10/2085	मंगल	25/05/2095	राहु	09/09/2104
सूर्य	27/04/2063	चंद्र	15/10/2079	मंगल	28/05/2086	राहु	11/06/2096	गुरु	02/02/2107
चंद्र	26/12/2064	मंगल	20/02/2080	राहु	26/11/2087	गुरु	18/05/2097	शनि	09/12/2109
मंगल	25/02/2066	राहु	13/01/2081	गुरु	27/03/2089	शनि	27/06/2098	बुध	27/06/2112
राहु	25/02/2069	गुरु	02/11/2081	शनि	27/10/2090	बुध	24/06/2099	केतु	16/07/2113
गुरु	27/10/2071	शनि	15/10/2082	बुध	27/03/2092	केतु	20/11/2099	शुक्र	16/07/2116
शनि	27/12/2074	बुध	21/08/2083	केतु	26/10/2092	शुक्र	20/01/2101	सूर्य	15/10/2116
बुध	26/10/2077	केतु	27/12/2083	शुक्र	27/06/2094	सूर्य	28/05/2101		00/00/0000
केतु	27/12/2078	शुक्र	26/12/2084	सूर्य	27/12/2094	चंद्र	27/12/2101		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 3 वर्ष 2 मा 3 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मूल नक्षत्र के चतुर्थपाद से धनु लग्न में हुआ था। धनु लग्नोदय के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर आपके जन्मकाल कर्क राशि का नवमांश एवं मेष राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। अपने जन्माकृति एवं जन्म लग्नादि के प्रभाव से आपका जन्म उज्जवल भविष्य का सूचक है। परंतु इस स्वच्छ वातावरण में किञ्जित मात्र कालिमा बिंदु कतिपय अप्रियता की सूचना यह दे रहा है कि यह संभाव्य है कि आपको अपने पिता के साथ सुखदायक क्षणों का अधिक समय तक आनंद प्राप्त न कर सके। तथापि आप अपने पारिवारिक सदस्यों के साथ सदैव व्यवहार में न्यूनता रहे तथा आपकी समझ से अपने बच्चों को अच्छा व्यवहार दें। साथ ही आपकी उन्नति धार्मिक आचरण के प्रति दिलचस्पी लेने से होगी। आप अपने जीवन में धर्म एवं दर्शन के प्रति समर्पित होकर उन्नति प्राप्त करें ऐसा संभाव्य है।

वृश्चिक राशीय गुण एवं प्रभाव के अनुसार आपकी धारण अच्छी रहेगी तथा आपका लक्ष्य भी उच्च स्तर का रहेगा। फलस्वरूप आप अपने लक्ष्य को महत्वपूर्ण ढंग से व्यवस्थित कर सकते हैं। परंतु आप अपने मन की अवधारणा को एकाग्रता पूर्वक सुनिश्चित कर लें कि एक समय एक ही कार्य उद्देश्य को अपना कर कार्यान्वित करें। आप अपनी इस प्रकार की अभिलाषा को विचारपूर्वक दमन करें कि एक ही समय पर अन्य कार्य को संपादित नहीं करें। इसके पश्चात मात्र अपनी अभिलाषित परियोजन से ही संतुष्ट होकर पुनः दूसरे कार्य व्यवसाय को प्रारंभ करने की अभिलाषा रखें। आप अपने अभ्युदय हेतु धार्मिक आयोजन की आकांक्षा रखे।

आपकी अंतिम अभिलाषा मानवीय गुणों से युक्त हैं तथा आप पूर्ण रूपेण इस विषय पर चिन्तनशील रहते हैं। आपके पास अत्यंत धन संपति होगा एवं आप सामाजिक लोकप्रियता का आनंद प्राप्त करेंगे तथा अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु अपने कार्य कलाप से सफलता प्राप्त करेंगे। आप प्रसन्नतापूर्वक भाग्यशाली होंगे। आप क्रीड़ा एवं खेलकूद के अतिरिक्त बाहरी कार्य व्यवसाय के साथ-साथ भ्रमणशील कार्य क्रम के प्रति भी आपके दिल में अनुराग रहेगा। अर्थात् आप दूर-दूर तक भ्रमण करेंगे। आप अपने मित्र मंडली के विस्तार हेतु भी सक्षम हैं। परंतु तब आपके अनेक प्रतिपक्षी भी उत्पन्न हो जाएगें। क्योंकि आप वर्हिमुखी प्रवृति के प्राणी हैं। आप जनसामान्य के मध्य कुछ बातें हवा में करेंगे। इस प्रकार की विचारधारा की लोग निंदा करेंगे तथा इस विषय की प्रतिक्रिया अन्यों के मन में होगी। आप अपने जीवन में तथ्यपूर्ण विषयों पर विश्वसनीयता बनाए रखें। आप कुछ तथ्यों की प्राप्ति हेतु अपने घर में सदैव सत्य वचन बोलें। तब ही आप सभी लोगों से अपेक्षित रहेंगे तथा बहुत लोग आपके आचरण को स्वीकृत करेंगे सभी लोग आप से ऐसी आकांक्षा रखते हैं तथा आपको पुरस्कार एवं सम्मान देना प्रारंभ कर देंगे। इसलिए आप स्पष्ट रूप से अन्यों के साथ प्रेम प्रसांगिक दिलचस्पी न लें। ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप के जीवन के प्रथम भाग्योन्नति की अवधि आपके जीवन के 27 वें एवं 31 वे वर्ष का समय स्वर्णिम काल प्रमाणित होगा। तब से आपका भाग्य अनुकूलता प्रदान करेगा। इस समयावधि में आप धन-संपति का संचय कर धनी बन जाएंगे तथा इस धन को शीत गृह की तरह संचित कर लिए तो आपके जीवन में कभी धन का अभाव नहीं रहेगा।

आपके स्वाभावानुगत, ज्ञान एवं उत्तेजनात्मक व्यवसायों में उत्तम एवं अनुकूल व्यवसाय जेनरालिज्म, पत्रकारिता, वकालत पेशा, राजनीति धार्मिक संस्थाओं से संबंधित अथवा शैक्षणिक संस्थाओं का संचालन आपके लिए उत्तम रहेगा।

यदि आप अपने स्वास्थ्य के संबंध में अनुकूलता बरतते रहे तो आप बहुत अधिक आयु तक स्वस्थ एवं प्रसन्न रहेंगे। तथापि आपको भविष्य में वायु-रोग, गठिया, कफ, ज्वाइन्ट पेन, रक्तचाप आदि रोग से सतर्क रहना उत्तम होगा।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 5, 3, 6 एवं 8 अंक भाग्यशाली है। इसके अतिरिक्त अंक, 2, 7 एवं 9 अंक प्रतिकूल है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन एकदम खराब है।